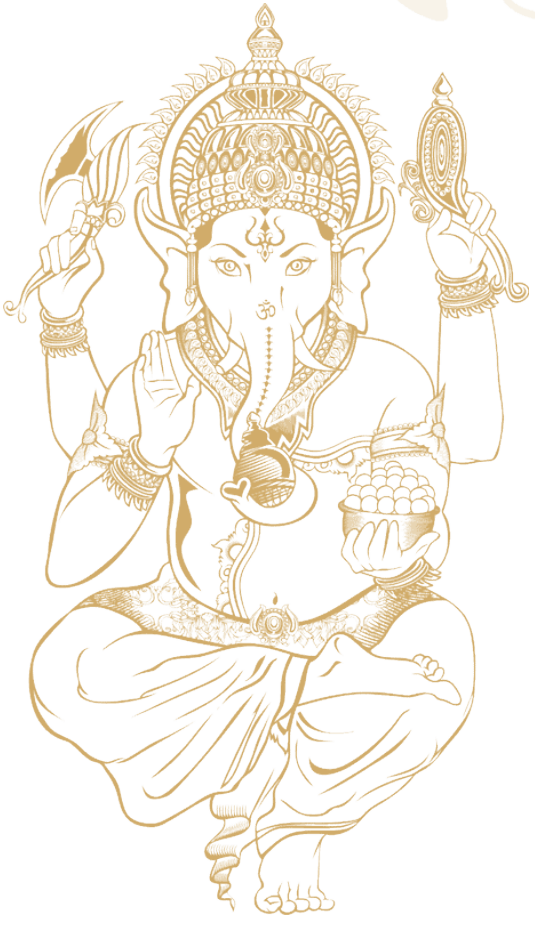

Vijay mohan sharma

12 Oct 1978

06:24 PM

Sikar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121448203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/10/1978**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**18:24:00 घंटे**
इष्ट	29:51:22 घटी
स्थान	**Sikar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:51:00 उत्तर
रेखांश	75:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:54:56 घंटे
वेलान्तर	00:13:23 घंटे
साम्पातिक काल	19:17:55 घंटे
सूर्योदय	06:27:27 घंटे
सूर्यास्त	18:03:36 घंटे
दिनमान	11:36:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	25:17:10 कन्या
लग्न के अंश	03:25:34 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	गण्ड
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गोपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	03:25:34	480:25:20	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	सूर्य	---
सूर्य			कन्या	25:17:10	00:59:22	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			कुंभ	06:51:09	14:14:29	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
मंगल			तुला	21:56:12	00:41:45	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
बुध		अ	तुला	03:43:13	01:37:05	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			कर्क	12:29:44	00:07:39	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	28:38:35	00:12:36	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	स्वराशि
शनि			सिंह	15:56:56	00:06:27	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
राहु			कन्या	03:06:58	00:01:24	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	03:06:58	00:01:24	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष			तुला	21:27:42	00:03:27	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
नेप			वृश्चि	22:32:17	00:01:25	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
प्लूटो			कन्या	23:07:44	00:02:22	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	---
दशम भाव			धनु	24:24:55	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:33:36

लग्न-चलित

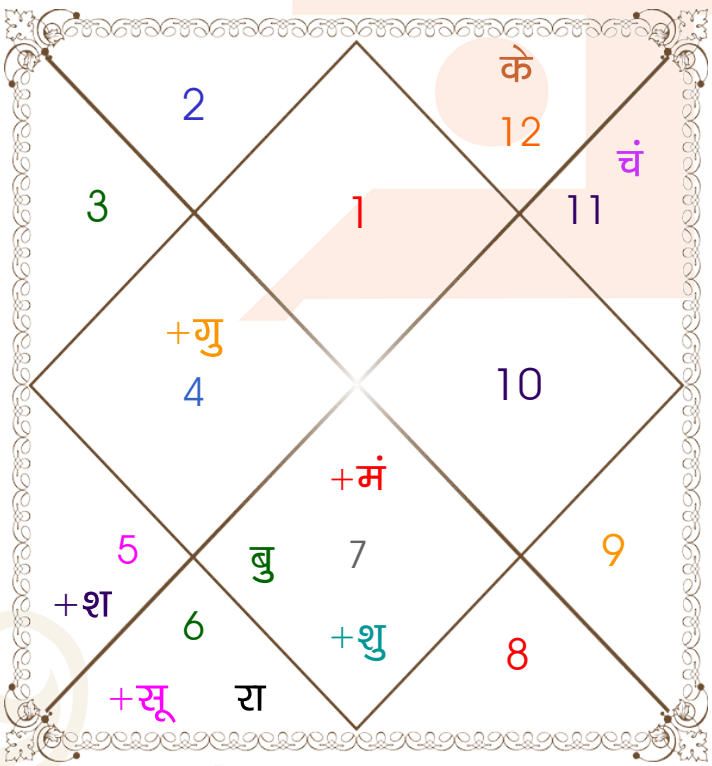

चन्द्र कुंडली

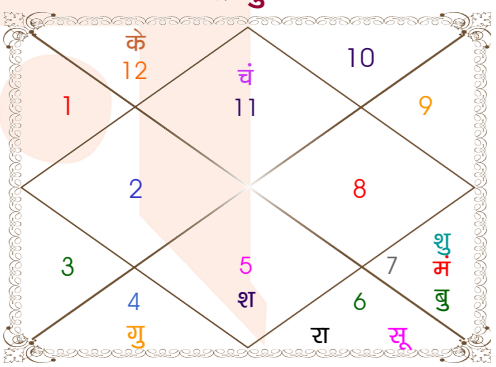

नवमांश कुंडली

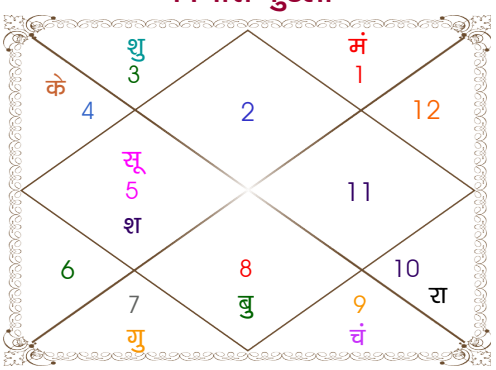

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 17 वर्ष 8 मास 30 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
12/10/1978		12/07/1996		12/07/2012		13/07/2031		12/07/2048	
12/07/1996		12/07/2012		13/07/2031		12/07/2048		13/07/2055	
राहु	25/03/1981	गुरु	30/08/1998	शनि	16/07/2015	बुध	09/12/2033	केतु	08/12/2048
गुरु	18/08/1983	शनि	13/03/2001	बुध	25/03/2018	केतु	06/12/2034	शुक्र	07/02/2050
शनि	24/06/1986	बुध	19/06/2003	केतु	04/05/2019	शुक्र	06/10/2037	सूर्य	15/06/2050
बुध	11/01/1989	केतु	24/05/2004	शुक्र	03/07/2022	सूर्य	12/08/2038	चंद्र	14/01/2051
केतु	29/01/1990	शुक्र	23/01/2007	सूर्य	15/06/2023	चंद्र	11/01/2040	मंगल	12/06/2051
शुक्र	29/01/1993	सूर्य	12/11/2007	चंद्र	14/01/2025	मंगल	08/01/2041	राहु	30/06/2052
सूर्य	24/12/1993	चंद्र	13/03/2009	मंगल	23/02/2026	राहु	28/07/2043	गुरु	06/06/2053
चंद्र	25/06/1995	मंगल	17/02/2010	राहु	30/12/2028	गुरु	02/11/2045	शनि	16/07/2054
मंगल	12/07/1996	राहु	12/07/2012	गुरु	13/07/2031	शनि	12/07/2048	बुध	13/07/2055

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
13/07/2055		13/07/2075		12/07/2081		13/07/2091		13/07/2098	
13/07/2075		12/07/2081		13/07/2091		13/07/2098		00/00/0000	
शुक्र	11/11/2058	सूर्य	30/10/2075	चंद्र	13/05/2082	मंगल	09/12/2091	राहु	12/10/2098
सूर्य	12/11/2059	चंद्र	30/04/2076	मंगल	12/12/2082	राहु	27/12/2092		00/00/0000
चंद्र	12/07/2061	मंगल	05/09/2076	राहु	12/06/2084	गुरु	02/12/2093		00/00/0000
मंगल	11/09/2062	राहु	31/07/2077	गुरु	12/10/2085	शनि	11/01/2095		00/00/0000
राहु	11/09/2065	गुरु	19/05/2078	शनि	13/05/2087	बुध	08/01/2096		00/00/0000
गुरु	12/05/2068	शनि	01/05/2079	बुध	11/10/2088	केतु	06/06/2096		00/00/0000
शनि	13/07/2071	बुध	06/03/2080	केतु	12/05/2089	शुक्र	06/08/2097		00/00/0000
बुध	13/05/2074	केतु	12/07/2080	शुक्र	11/01/2091	सूर्य	12/12/2097		00/00/0000
केतु	13/07/2075	शुक्र	12/07/2081	सूर्य	13/07/2091	चंद्र	13/07/2098		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 17 वर्ष 8 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।